Betiyां
Shakti Foundation

बेटियां शक्ती फाउंडेशन

नागपूर

(Govt. Reg.No. F/0019607/17(MS)

कार्यालय : साई-अभिषेक, पंजाब नॅशनल बैंक
के सामने, खरबी चौक, नागपुर (महा.)-440 002
हेल्पलाईन - 9970022726

Email : betiyokisurksha@gmail.com
betiya_shakti_foundation

सुचना पत्र

कार्यक्षेत्र - संपूर्ण भारत
(वर्तमान में 16 राज्यों में शाखा)

स्वयंसेवक
महिला और पुरुष स्वयंसेवक की
कुल संख्या :- 7500+

उद्देश्य

1) समाज से पुरुषप्रधान संस्कृती पूर्णतः नष्ट करके महिलाओं को समान अधिकार दिलाना ।
2) सामाजिक स्तर पर दहेज की मानसिकता को समाप्त करना ।
3) अन्याय- अत्याचार से पीडित सभी वर्ग की महिलाओं को किसी भी प्रकार का भेदभाव न करते हुए हर संभव सहायता प्रदान करना.
4) लोकसहायता के द्वारा भारतीय नारी का शिक्षा और आरोग्य का स्तर बढाना.
5) महिलाओं को उनके अधिकारों प्रति जानकारी देने हेतू जनजागरुकता अभियान चलाना.
6) समाज के हर स्तर की महिलाओं को सरकारी योजनाएं या अन्य माध्यम से रोजगार के साधन प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर करना.
7) विभिन्न क्षेत्रों में विशेष योगदान देनेवाली, पुरुषप्रधान संस्कृतिक को चुनौती देकर स्वयंसुरक्षा करने वाली महिलाओं को सन्मानित कर उनका हौसला बढाना.
8) हर जरुरतमंद-भुखें को निःशुल्क भोजन देना.

कार्य

1) समाज से दहेज मानसिकता हटाने हेतु देश का सबसे बडा अभियान ''दहेज हटाओ, बेटी बचाओ'' चलाया गया. निरंतर 18 महीने चले इस अभियान के अंतर्गत देश के विभिन्न 16 राज्यो के 165 जिलों में जनजागरुकता की गई, जिसके अंतर्गत 7 हजार से अधिक युवाओं ने दहेज न लेने का संकल्प लिया ।

2) महिला तस्करी, गलत व्यवसाय मे फसी 90 से अधिक नाबालिक और बालिग महिलाओं को देश के विभिन्न राज्यो की प्रशासन की सहायता से मुक्त करवाकर सकुशल उन्हे अपने परिवार से मिलाया ।

3) सांगली-कोल्हापुर (महाराष्ट्र) जिलों की बाढपीडित 2800 स्कूली छात्राओं को गोद लिया और उनके सन 2019 के पूरे शैक्षणिक सत्र का खर्चा उठाया ।

4) महाराष्ट्र मे स्वतंत्र महिला पुलिस थाना निर्माण को लेकर राज्यस्तर का अभियान चलाया गया, प्रस्तुत अभियान को **2** लाख महिलाओं का समर्थन प्राप्त हुआ. **5** साल के संघर्ष उपरांत आखिर सन **2019** मे महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य के हर जिले मे स्वतंत्र महिला पुलिस थाना निर्माण को मंजूरी देते हुए कूल **2100** करोड राशी आवंटित की गई।

5) बेटियां शक्ती फाउंडेशन द्वारा सन **2019** मे विदर्भ (महाराष्ट्र) की ग्रामीण क्षेत्र की उच्चशिक्षा ले रही छात्राओ की एक्जाम फीस माफ करवाई गई।

6) प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रही महाराष्ट्र की हजारों छात्राओ के लिए राज्य के विभिन्न जिलो मे **IAS, IPS, IRS** अधिकारियों के मार्गदर्शन शिविर के आयोजन।

7) अबला नही, हम है सबला उपक्रम के अंतर्गत हजारों महिलाओ को स्वयंसुरक्षा हेतु बेटियां शक्ती पेपर स्प्रे का निशुल्क वितरण।

8) बेटियां शक्ती फाउंडेशन के माध्यम से संचालित सैनिक-पुलिस भर्ती पूर्व प्रशिक्षण से प्रशिक्षण प्राप्त **600** से ज्यादा महिलाओ का अर्ध सैनिक बल, पुलिस वनविभाग मे चयन।

9) सन **2014** से वर्तमान तक देश के विभिन्न राज्यो की लाखो महिलाओ को बेटियां शक्ती फाउंडेशन की हजारो महिला स्वयंसेवक के माध्यम से सेनेटरी पैड का निशुल्क वितरण।

10) रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण कार्यक्रम जैसे अनेक जनकल्याण हेतु आवश्यक कार्य।

11) गरजु-भूकेल्यांना अन्न-आजीवन (जरुरतमंद-भूखे को भोजन-आजीवन) उपक्रम के अंतर्गत प्रतिदिन सैकडो बेघर, दिव्यांग, बुजर्गो को निशुल्क भोजन देने का अभियान निरंतर जारी। वर्तमान तक **6** लाख से ज्यादा जरुरतमंदो तक सेवा पहुचाई गई।

12) देश की बहादुर महिलाओं को हर वर्ष ''विरांगना झलकारीबाई राष्ट्रीय पुरस्कार'' से सम्मानित किया जाता है।

13) कोवीड महामारी के दौरान देशभर में कोवीड संक्रमीत हजारो मरीजों को दवाईयां, ऑक्सीजन इत्यादि की नि:शुल्क सहायता उपलब्ध कराई गई।

14) नागपुर ग्रामीण एवं मनपा नागपुर स्कूलों मे अध्यनरत एक हजार निर्धन छात्राओं को प्रति वर्ष शिक्षा सामग्री का नि:शुल्क वितरण।

हमारे निरंतर जारी उपक्रम :-

1) जरुरतमंद - भूखे को भोजन (आजीवन)
2) कुपन के बदले नि:शुल्क भोजन
3) 'अबला नही हम है सबला 'के अंतर्गत भारत की महिलाओ को पेपर स्प्रे का वितरण

भविष्य की योजनाएं :-

1) बुजूर्ग-दिव्यांग-गंभीर बीमारियों से ग्रासित व्यक्तियों हेतु निशुल्क निवास एवं चिकित्सा केंद्र आरंभ करना।

2) महाराष्ट्र समेत पूरे देश के हर शहर मे महिलाओ के लिए हर 2 किलोमीटर के दायरे मे निशुल्क शौचालय का निर्माण करवाने हेतु जनआंदोलन चलाना।

3) नागपूर शहर मे 'कोई भूखा न सोये' इसलिये हर भूके तक नि:शुल्क भोजन पहुचाना।

4) नागपूर शहर मे पढाई या अन्य कारणों से निवास करनेवाली ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओ/लडकियों हेतु नि:शुल्क निवास सेवा।

DONATION DETAILS

ACCOUNT NAME - BETIYA SHAKTI FOUNDATION
ACCOUNT NO.- 1439 1020 0001 5695
Bank Name:- IDBI Bank
Add.- Manewada Ring Road, Nagpur.
IFSC Code- IBKL0001439

देशोन्नती

एक लाख गरजू व भुकेल्यांना दिले अन्न !

नागपूर ● प्रतिनिधी

बेटियां शक्ती फाऊंडेशनचा उपक्रम

माणुसकीचा परिचय

▪ दि.१जून २०२० ▪ नागपूर लाईव्ह ▪ पान नं. २

Betiyan Shakti Foundation helps people

MAIN PAL KASHYAP
INDRI, AUG 24

This is the rule of the universe. In the last 100 years, there has been no such calamity that wil stop the entire world! When the new year 2020 starts, then no person in the world would have thought that, in the year 2020 history will be made. Pages will be written in black letters. Shridhar Ade, founder and president of the Betiyan Shakti Shakti Foundation, said that the sudden infectious disease called "Corona" that occurred in China ruined the whole world. When Corona was creating a furore in China, then the whole world was thinking of it as an ordinary disease and Corona was being made fun of. Corona was not taken seriously in the early phase in our India. As a result, as soon as Corona entered India, there was a storm in all directions. The whole of India went as if in the peace of the crematorium.

Shridhar Ade said that the corona started to wreak havoc on the deprived, poor, homeless, labourers, poor people. Lockdown was imposed in Maharashtra to prevent the spread of corona first in the country. In the lockdown, no person can get out of the house. In this terrible situation, we decided to provide food to 50 homeless, underprivileged by our institution, Shakti Foundation from 18 March 2020 in our Nagpur city with a population of 20 lakhs.

In the early phase. It was thought that in 15 days everything would be normal, but as the days progressed, the situation became severe. 3 people were together distributing food to 50 people, there were 80 volunteers after 8 days. With the help, we had to distribute food to 2500 hungry children every day. In any poor colony in which our volunteers used to take food people were suffering from hunger and those people were fed food from our organisation. Sridhar Ade said that we continued to serve like this till the end of April.

Then suddenly the labourers in the state started returning to their homes. Some went on bicycle, some on foot. They went without food and water.

50 thousand labourers went to Nagpur from here. We were very helpless and could not do anything except provide food, water to our hapless brothers. Many labourers also met us who were walking with moist eyes towards their house, on the way to the funeral of their son, friend and family. Our Betiyan Shakti Foundation has starved more than 2 lakh people of India including Nagpur- Gave free food to the needy.

देश यात्रा पर साईकल से निकले श्री धर ने दिया नया नारा 'दहेज हटाओ-बेटी बचाओ'

बी डी अग्रवाल

रेवाड़ी। दहेज हटाओ, बेटी बचाओ के नारे के साथ महाराष्ट्र का 30 वर्षीय युवक श्री धर पिछले वर्ष से देश की यात्रा पर निकला हुआ है। युवक का मकसद है कि सरकार ने बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ योजना को चलाया हुआ है जिसके सार्थक परिणाम सामने आ रहे हैं, लेकिन भारत देश में अनेकों रूढ़िवादी विचारधारा के लोग हैं जिसकी वजह से बेटियों को अपने जीवन की बलि देनी पड़ रही है। लगातार बेटियों को दहेज के दानव अपने स्वार्थ के लिए मार रहे हैं। बेटियों की आवाज को बुलंद करने के लिए देश के दौरे पर निकला हूं ताकि लोगों तक यह संदेश पहुंचा सकूं कि दहेज हटाओ-बेटी बचाओ। उनका मानना है कि बेटी पढ़ भी जाएगी तथा बच भी जाएगी लेकिन यदि दहेज के लोभी दहेज के प्रति जागरूक नहीं होंगे तो पढ़ी-लिखी बेटियां दहेज की बलिवेदी पर चढ़ा दी जाएंगी, इसलिए लड़कों को शपथ लेनी होगी कि वे बिना दहेज के शादी करेंगे तभी बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ नारा सार्थक होगा।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ मुहिम को ले निकला श्रीधर

साईकिल से अबतक कर चुका है 7 हजार किलोमीटर की यात्रा, राजधनवार में हुआ भव्य स्वागत

www.tarunbharat.net
तरुण भारत

दि. १७/०९/२०१९

छाया-वृत्त

बेटिया संस्थेतर्फे पूरग्रस्तांना शैक्षणिक मदत

◆ नागपूर, १६ सप्टेंबर

कोल्हापूर, सांगली-सातारा जिल्ह्यात आलेल्या महापुरात उद्ध्वस्त झालेल्या ४७ शाळांमधील २७३० पूरबाधित विद्यार्थिनींना बेटिया बहुद्देशीय सामाजिक संस्थेच्या माध्यमातून वर्षभर पुरेल एवढे शैक्षणिक साहित्य व सॅनेटरी नॅपकिन्सचे वाटप करण्यात आले. बेटिया बहुद्देशीय सामाजिक संस्थेने अनेक दानशुरांच्या माध्यमातून सात लाख रुपयांचे शैक्षणिक साहित्य व सॅनेटरी नॅपकिन्स गोळा करून पूरग्रस्त भागात वितरित करण्यात आले. या उपक्रमाला संस्थेचे संरक्षक डॉ. चंद्रकांत विसरोजवार, राजीव शर्मा, जी. एच. यादव, डॉ. कल्पना दुबे, डॉ. प्राजक्ता गुप्ता, श्रीधर आडे, गिरीधर बारई, शुभम लुंगे, निखिल बुटे, किरण सुपेकर, रवि मेंढे, चंद्रशेखर सिंग, अश्विनी झंवर, कीर्ती कानगो, जॉगर्स फिटनेस क्लब, इन्सपायर जिम यांच्यासह अनेक स्वयंसेवकांनी सहकार्य केले.

नागपूरच्या श्रीधर आडेंचे राज्यभर अभियान : महिलांचे दोन लाख पत्र सोपविणार मुख्यमंत्र्यांना

महिला पोलीस ठाण्यासाठी सायकलवारी

लोकमत न्यूज नेटवर्क

नागपूर : अन्यायग्रस्त महिला पोलीस ठाण्यात तक्रार देण्यासाठी गेली की तिचा सामना पुरुष पोलीस अधिकारी, कर्मचाऱ्यांशी होतो. पुरुष पोलिसांना घटनाक्रम सांगावा लागतो. घटनाक्रम सांगताना आणि पोलिसांच्या प्रश्नांना उत्तरे देताना पुन्हा आपल्यावर अन्याय होत असल्याचा भास संबंधित महिलेस होतो.

त्यामुळे केंद्र शासनाच्या निर्देशानुसार जिल्हास्तरावर महिला पोलीस ठाणे सुरू करावेत, या मागणीसाठी नागपूरचे श्रीधर आडे यांनी महाराष्ट्र पिंजून काढण्याचा निर्णय घेतला आहे. सायकलने विविध जिल्ह्यांत फिरून महिलांची दोन लाख पत्र जमा करून ते मुख्यमंत्र्यांना सादर करण्याचा मानस त्यांनी 'लोकमत'शी बोलताना व्यक्त केला.

नागपूर येथील न्यू मानकापूर रिंगरोड परिसरातील रहिवासी असलेला तरुण श्रीधर आडे हे डिसेंबर २०१६ पासून स्वखर्चाने, लोकवर्गणी करून 'बेटी बचाओ, बेटी पढाओ, दहेज हटाओ'साठी राष्ट्रीय जनजागृती करतात. आतापर्यंत त्यांनी १७ हजार किलोमीटरचे अंतर सायकलने पूर्ण करून १५ राज्यांतील १६५ जिल्ह्यांत हुंडाप्रथाविरोधात लढा देण्यासाठी ५,५०० स्वयंसेवकांना एकत्र केले आहे.

अभियानासाठी फिरत असताना त्यांनी सामाजिक समस्या, तेथील महिला किती सुरक्षित आहेत, त्यांना दडपणविरहित वातावरण देण्यासाठी तेथील राज्य शासनाने काय उपाययोजना केल्या, या उपाययोजनांचा महिलांना फायदा कसा होतो, याची माहिती गोळा केली.

ही माहिती गोळा करीत असताना प्रत्येक राज्यात जिल्हास्तरावर महिलांसाठी स्वतंत्र पोलीस ठाणे असल्याचे त्यांच्या निदर्शनास आले. याबाबतीत महाराष्ट्र राज्य कमालीचे पिछाडीवर असल्याचे त्यांच्या लक्षात आले.

निर्भया कांडानंतर तत्कालीन गृहमंत्री सुशीलकुमार शिंदे यांनी राज्यातील प्रत्येक जिल्हास्तरावर स्वतंत्र महिला पोलीस स्टेशन असावे, याबाबत सर्व राज्यांना निर्देश दिले होते. त्यानुसार देशातील २४ राज्यांत ६२२ पेक्षा अधिक स्वतंत्र महिला पोलीस ठाणे निर्माण करण्यात आले. यात तामिळनाडूत २०२, उत्तर प्रदेश ७१, पश्चिम बंगाल, बिहार व राजस्थानमध्ये प्रत्येकी ४०, कर्नाटक ३५, गुजरात २८, हरियाणा ३१ आणि झारखंडमध्ये स्वतंत्र ३० महिला पोलीस ठाणे सुरू करण्यात आली. महाराष्ट्रात महिलांवरील अत्याचाराचे प्रमाण अधिक असूनही महिलांसाठी स्वतंत्र ठाणे नसल्याचे श्रीधर आडे यांना जाणवले.

त्यामुळे या ज्वलंत प्रश्नासाठी त्यांनी महाराष्ट्र पिंजून काढण्याचा निर्णय घेतला. आगामी ३० ऑगस्टपासून ते सायकलने राज्यभरात फिरणार आहेत. अहमदनगर जिल्ह्यातून ते आपला प्रवास सुरू करणार आहेत.

असे राहील अभियान

◆ श्रीधर आडे यांनी स्वतंत्र महिला पोलीस ठाण्यासाठी महाराष्ट्रातील सर्व जिल्ह्यात सायकलने फिरण्याचा निर्णय घेतला असून, त्यासाठी पहिल्या टप्प्यात ११ जिल्ह्यांची निवड केली आहे. यात प्रत्येक जिल्ह्यात जाऊन ते महिला मंडळ, महिलांच्या संघटनांची भेट घेऊन जनजागृती करणार आहेत. राज्यभरातील दोन लाख महिलांकडून ते स्वतंत्र पोलीस ठाण्यासाठी मुख्यमंत्र्यांच्या नावे पत्र लिहून घेतील. अभियानात 'लोकमत'च्या सखी मंचचे सहकार्य घेणार असल्याचे त्यांनी सांगितले. गोळा केलेले दोन लाख पत्र मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस यांना सोपवून प्रत्येक जिल्हास्तरावर महिलांसाठी स्वतंत्र पोलीस ठाण्याची मागणी ते करणार आहेत.

सैकड़ों लोग पहुंचे अपने घर

बेटियां शक्ति फाउंडेशन का सहयोग

कार्यालय प्रतिनिधि

नागपुर. बेटियां शक्ति फाउंडेशन ने प्रशासन की मदद से लाकडाउन के कारण पुणे, मुंबई में पिछले 50 दिनों से फंसे सैकड़ों छात्र-छात्राएं, नौकरीपेशा लोग व बुजुर्गों को सकुशल नागपुर वापस लाया. फाउंडेशन के अंकित बाफा, सच्चित पटेल, अर्पित अग्रवाल जानकारी मिली कि लाकडाउन में फंसे ये लोग कानूनी प्रक्रिया और अन्य समस्याओं के कारण नागपुर नहीं आ पा रहे. बसेस उपलब्ध करवाकर सोशल डिस्टंसिंग का पालन करते हुए उन्हें नागपुर लाकर होम क्वारंटाइन करवाया गया. इस कार्य में अध्यक्ष श्रीधर आडे, दीक्षित बाफना का सहयोग प्राप्त हुआ.

संरक्षक

श्रीमती स्वरूपाबेन अमरचंदभाई मेहता
नागपूर

श्रीमती रेखाताई भवरे
ACP - महाराष्ट्र पुलिस

डॉ. प्राजक्ता गुप्ता
मेडिकल ऑफिसर,
महाराष्ट्र

डॉ. कल्पना दुबे
मेडिकल ऑफीसर,
उत्तरप्रदेश

कर्नल श्री. अजय विर
दिल्ली

महाविरचक्र श्री. दिगेंद्रकुमार
राजस्थान

श्री. प्रतापसिंह पाटणकर (IPS)
DIG भूतपुर्व, पुणे

डॉ. श्री. किशोर मानकर (IFS)
नागपूर

श्री. सुनिल पवार
नागपूर

श्री. मोंटु श्रीश्रीमाल (जैंन)
नागपूर

मार्गदर्शक

श्री. अरविंद पाठक
डेप्युटी इंजीनिअर,
महा. सरकार

श्री. गोपाल यादव
पुलीस उप-अधिक्षक, सेवानिवृत्त
(महा. पुलिस)

डॉ. श्री. राहूल जेकब
पुणे

श्री. राजीव शर्मा
न्यायाधिश
बाल न्यायालय

डॉ. श्री. चंद्रभुषण
सेक्रेटरी
(U.C.W. & E. Soci.),
बिहार

श्री. संजय सावनसुखा
नागपुर

श्री. सांवरमल जांगीड
वरिष्ठ लेखाधिकारी
राजस्थान सरकार

श्री. मैंनपाल कश्यप
वरिष्ठ पत्रकार,
हरियाणा

श्री. विवेक विकास
युवा प्रेरणास्थान
झारखंड

श्री. संदिप तिवारी
वरिष्ठ पत्रकार,
मध्यप्रदेश

श्री. सुनिल तिजारे
वरिष्ठ पत्रकार,
नागपूर

श्री. ललित गुरलवार
नागपूर

कानूनी सलाहकार

ॲड. ओम गुप्ता
अधिवक्ता, बॉम्बे हाईकोर्ट
नागपूर

ॲड. उमेश बावणकर
NGO संबंधीत मामलों
के अधिवक्ता